जयशंकर प्रसाद

काव्यांश 1

विषय-
1. 'कर कह', 'कौन कहानी', सुनकर सुख' इत्यादि में अनुप्रास अलंकार है।
2. 'गागर रीति' में रूपक अलंकार विद्यमान है।
3. 'गुन-गुना' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
4. अनंत, नीलिमा, व्यंग्य, मलिन, उपहास इत्यादि तत्सम शब्दों का सुंदर प्रयोग किया गया है।
5. छायावादी शैली का गुण विद्यमान है।

काव्यांश 2

विषय-
1. 'किंतु कहीं' में अनुप्रास अलंकार है।
2. 'खिल-खिलाकर' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
3. विडंबना, प्रवंचना इत्यादि तत्सम शब्दों का सुंदर प्रयोग किया गया है।
4. छायावादी शैली का गुण विद्यमान है।

काव्यांश 3

विषय-
1. 'आते-आते' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
2. आलिंगन, अरुण कपोल, पथिक, स्वप्न इत्यादि तत्सम शब्दों का सुंदर प्रयोग किया गया है।
3. छायावादी शैली का गुण विद्यमान है।
4. प्रतीकात्मकता विद्यमान है।
5. 'पथिक की पंथा' इत्यादि में अनुप्रास अलंकार है।

काव्यांश 4

विषय-
1. 'की कैसे', 'मैं मौन', 'मेरी मौन' इत्यादि में अनुप्रास अलंकार है।
2. वाक्य में तीन स्थानों पर प्रश्न पूछा गया है। अतः प्रश्न अलंकार विद्यमान है।
3. छायावादी शैली का गुण विद्यमान है।